an>

Title: The Minister of External Affairs made a statement on the issue raised by Prof. K.V. Thomas on 01 August, 2016 regarding large number of Indians stranded in Jeddah, Saudi Arabia.

विदेश मंत्री (श्रीमती सुÂषमा स्वराज) : अध्यक्ष जी, दो दिन पहले इस सदन में प्रो. थॉमस के द्वारा सऊदी अरब में फंसे हुए भारतीय श्रमिकों का मसला उठाया गया था। लगभग पूरे सदन ने अपने आप को उसके साथ संबद्ध किया था। मैंने उस समय भारत सरकार द्वारा किये गये प्रयासों की जानकारी सदन को दी थी। उसमें जो प्रगति हुई है, वह मैं सदन को बताना चाहती हूँ।

मैंने कहा था कि जनरल वी.के. सिंह को हम वहाँ भेज रहे हैं। परसों रात में, जनरल वी.के. सिंह वहाँ चले गये। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि जो बातें हमने यहाँ कही थीं, सऊदी अथॉरिटीज ने तुरंत उनका संज्ञान लिया। सऊदी नरेश सलमान बिन-अल-अज़ीज साहब ने स्वयं यह निर्देश दिया कि दो दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान हो जाना चाहिए। जब जनरल वी.के. सिंह कल वहाँ पहुँचे, तो वहाँ के लेबर और सोशल डवलपमेंट मिनिस्टर श्री हक्कानी साहब के साथ उनकी मीटिंग हुई। यहाँ मैंने जितने विÂषय उठाये थे, पहला विÂषय, मैंने यह कहा था कि जो भारतीय श्रमिक यहाँ आना चाहते हैं, उनके लिए सऊदी अथॉरिटीज़ हमें एग्जिट वीज़ा की परमीशन दे दें। सऊदी अथॉरिटीज ने कहा कि वे केवल एग्जिट वीज़ा ही नहीं देंगे, बल्कि उसके साथ अपने विमानों के माध्यम से, अपने खर्चे पर उनको भारत भेजने का काम करेंगे।

दूसरी बात हमने कही थी कि अगर दूसरी जगह उन्हें नौकरी मिल सकती है, तो वह इजाज़त दे दें कि दूसरी कंपनियाँ उन्हें नौकरी दे दें। इसको भी उन्होंने मान लिया और कह दिया कि उनकी योग्यता के अनुसार जहाँ-कहीं भी नौकरी उपलब्ध है और वे इनको रखना चाहते हैं, तो हम अनुमति देते हैं कि वे इनको रख सकते हैं। इस प्रकार से, दूसरी जगह भी उनको नौकरी मिल सकती है।

तीसरी बात हमने कही थी कि जो लोग भारत लौटे हैं, उनके क्लेम्स का क्या होगा? लोगों का आठ-आठ महीने का बकाया वेतन है। उसकी कोई व्यवस्था होनी चाहिए, तो उन्होंने यह मान लिया कि हर वर्कर यहाँ आने से पहले अपना इंडीविजुअल क्लेम यानी व्यक्तिगत तौर पर अपना क्लेम फाइल करके आएं। उसके बाद इंडियन एम्बेसी, रियाद के साथ उनका श्रम कार्यालय (लेबर ऑफिस) बैठेगा और सारे क्लेम्स को सेटल करेगा। भारत आने के बाद भी वर्कर्स का पैसा उनको मिल जाएगा। यह तीसरी बात उन्होंने मानी।

इसके अलावा, उन्होंने एक बात अपनी ओर से भी कही है। जितने हमारे लोग इस समय वहाँ अलग-अलग कैम्प्स में हैं, उनकी सफाई का प्रबंध, उनके मेडिकल ट्रीटमेंट का प्रबंध और उनके भोजन का प्रबंध अब सऊदी सरकार करेगी, भारत सरकार को उसके बारे में चिन्ता करने की जरूरत नहीं है। मुझे खुशी है कि उन्होंने अपनी केटरिंग सर्विसेज और अपनी हॉस्पीटल सर्विसेज को तुरंत ऑर्डर भी कर दिया है।

मैं यहाँ भारत सरकार की ओर से, पूरे सदन की ओर स्पेशियली सऊदी नरेश का और सऊदी अथॉरिटीज का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ कि उन्होंने हमारी समस्या को गंभीरता से लिया। लेकिन इसके साथ ही मैं अपने प्रधानमंत्री जी का भी धन्यवाद करना चाहती हूं जिन्होंने सऊदी अरब की यात्रा के दौरान रिश्ते ऐसे बना लिए, अपने स्तर पर भी प्रगाढ़ मित्रता और देश के स्तर पर भी मधुर संबंध, जिसके कारण यह परिणाम संभव हो सका है। मैं सदन को बताना चाहती हूं कि जनरल वी.के. सिंह जी वहीं हैं। जो सहमति बनी है, उस सहमति को पूरा अमलीजामा पहनाने के बाद वह वापस लौटेंगे कि एक संतोÂाजनक समाधान हुआ है। यही जानकारी मैं आपके माध्यम से सदन को देना चाहती हूं।

माननीय अध्यक्ष : बहुत अच्छा है और वी.के. सिंह जी अब एक्सपर्ट हो गए हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतना अच्छा काम मंत्री जी ने किया है, क्या आप कम्पलीमेंट देना चाहते हैं?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग कभी तो कम्पलीमेंट दे दिया कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : मैं सुÂषमा स्वराज जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि वह भारत सरकार की पहली मंत्री हैं, जिन्होंने सदन के द्वारा इतना महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया हो, उस पर न केवल स्वयं वक्तव्य दिया, अपितु आज भी इन्होंने सदन को उस बारे में सूचित किया है। हम चाहते हैं कि एनडीए सरकार के दूसरे मंत्री भी महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठने के पहले ही अपना स्पÂटीकरण दें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री होने के नाते जो सऊदी अरब के बारे में बोला है, चीन और पाकिस्तान के बारे में भी सरकार की जो नीति है, उस पर ठोस जवाब दे पाएं। उसका भी पूरा-पूरा जवाब दें और ओमान के बारे में भी जवाब दें, यह हम उनसे अपेक्षा करते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप इस तरह की बातें मत कीजिए, जो अच्छा हुआ है, उसको अच्छा बताइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This is not fair. हर बात पर राजनीति मत कीजिए, जो अच्छा हुआ है, उसको हम अच्छा कहें।